चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर उजाला	6.02.25	2	1-6

मेला

मेले में किसानों के लिए छोटे ट्रैक्टर-इंजन चालित जुताई और निराई-गुड़ाई यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयोगी मशीनें की प्रदर्शित

रावलवास खुर्द में प्रदर्शनी मेले में दिखाई आधुनिक मशीनरी

रावलवास में आयोजित मेले में मशीनों का निरीक्षण करते डॉ. पाहुजा व अन्य। स्रोत : संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

बालसमंद। गांव रावलवास खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला लगाया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा मुख्य अतिथि, जबकि सेवानिवृत्त अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान किसानों ने आधुनिक मशीनों की जानकारी जुटाई।

डॉ. पाहुजा ने बताया कि अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी परियोजना के 25 केंद्रों एवं देश के अलग-अलग राज्यों में मेला आयोजित किया गया है। कृषि

विकास सातरोड समेत कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति पेश की

मशीनरी का प्रयोग कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ाने का एक प्रमुख साधन है। कृषि यंत्रीकरण का उपयोग करके किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं। यंत्रीकरण खेती की कार्यशैली को और भी सुगम एवं तेज बनाता है, जिससे फसल उत्पादकता में वृद्धि होती है। वर्तमान में कृषि को परिष्कृत यंत्रों का प्रयोग करके एक लाभदायक व्यवसाय के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ढकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेले में कृषि मशीनीकरण के अंतर्गत छोटी जोत वाले किसानों के लिए मशीनों व तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें किसानों के लिए छोटे ट्रैक्टर-इंजन चालित जुताई और निराई-गुड़ाई यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयोगी मशीनें जैसे सुपर सीडर, मलचर व बेलर आदि यंत्रों को प्रदर्शित किया गया। डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कृषि यंत्रों व मशीनों के जरिये खेती को न केवल आसान बनाया जा सकता है बल्कि समय व श्रम की बचत के साथ-साथ फसल उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

सह अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर) डॉ. विजया रानी ने सभी का स्वागत कर किसानों को खेती की तैयारी से लेकर फसल की कटाई के लिए उपलब्ध मशीनें, खेती में उपयोगी नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विकास सातरोड व उनके साथी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.02.25	4	1-2

हकृवि ने गांव रावलवास खुर्द में तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला आयोजित

मुख्यातिथि डा. एस.के. पाहुजा मशीनों का निरीक्षण करते हुए।

हिसार, 5 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग तथा नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग तथा प्रोसेसिंग व फूड इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत चल रही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी, कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों में ऊर्जा परियोजना के तहत गांव रावलवास खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा मुख्य अतिथि जबकि सेवानिवृत अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी परियोजना के 25 केन्द्रों एवं देश के अलग-अलग राज्यों में मेला आयोजित किया गया है।

उन्होंने बताया कि कृषि मशीनरी का प्रयोग कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ाने का एक प्रमुख साधन है। कृषि यंत्रीकरण का उपयोग करके किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 में कृषि मशीनीकरण के अंतर्गत छोटी जोत वाले किसानों के लिए मशीनों व तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई। मेले में रावलवास खुर्द सहित समीपवर्ती गांवों के काफी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
वीर भूमि	6.02.25	9	6-8

रावलवास में लगाई तकनीकी व मशीनरी प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। मुख्यातिथि डॉ. एसके पाहुजा किसानों को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग तथा नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग तथा प्रोसेसिंग व फूड इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत चल रही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी, कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों में ऊर्जा परियोजना के तहत गांव रावलवास खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा मुख्य अतिथि जबकि सेवानिवृत अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि कृषि मशीनरी का प्रयोग कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ाने का एक प्रमुख साधन है। कृषि यंत्रीकरण का उपयोग करके किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं। यंत्रीकरण खेती की कार्यशैली को और भी सुगम एवं तेज बनाता है, जिससे फसल उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 में कृषि मशीनीकरण के अंतर्गत छोटी जोत वाले किसानों के लिए मशीनों व तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें किसानों के लिए छोटे ट्रैक्टर-इंजन चालित जुताई तथा निराई-गुड़ाई यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयोगी मशीनें जैसे सुपर सीडर, मलचर व बेलर आदि यंत्रों को प्रदर्शित किया गया। इस मौके सह अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर) डॉ. विजया रानी आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	6.02.25	4	1-4

दैनिक भास्कर

नई किस्में बाजरे की 2 नई बायोफोर्टीफाइड किस्में तैयार कीं, 75 से 80 दिन में हो जाती हैं तैयार

एचएयू ने की दो पानी में तैयार होने वाली गेहूं की डब्ल्यूएच-1402, बाजरे की एचएचबी-299 व एचएचबी-311 की किस्म विकसित

प्रो. बीआर काम्बोज
कुलपति,
एचएयू, हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने दो पानी में तैयार होने वाली गेहूं की डब्ल्यूएच-1402 और बाजरे की दो नई किस्म एचएचबी-299 व एचएचबी-311 विकसित की हैं। बाजरे की दो नई बायोफोर्टीफाइड किस्मों में लौह तत्व एवं जिंक अन्य किस्मों के मुकाबले लगभग 30-40 प्रतिशत अधिक मात्रा में पाया जाता है।

एचएचबी 299 अधिक लौह युक्त (73 पीपीएम) संकर बाजरा किस्म हैं। इसके दानों व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 15.8 क्विंटल व 40-42 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है।

इसके अलावा एचएचबी 311 किस्म भी अधिक लौह युक्त (83 पीपीएम) संकर बाजरा किस्म हैं। इसके दानों व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 15 क्विंटल व 35.2 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म 75-80 दिनों में पककर तैयार हो जाती है।

बारानी क्षेत्रों के लिए सरसों की आरएच-1424 किस्म बेहतर

बारानी क्षेत्रों में सरसों की किस्म आरएच-1424 किस्म आरएच-725 की तुलना में 14% की वृद्धि के साथ 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादन देती है। यह किस्म 139 दिन पक जाती है। बीजों में तेल की मात्रा 40.5 प्रतिशत होती है। सरसों की दूसरी किस्म आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम इरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

गेंहू की डब्ल्यूएच-1402 किस्म में आती हैं कम बीमारी

गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1402 से दो पानी में ही औसत पैदावार 50 क्विंटल प्रति हैक्टेयर व अधिकतम उत्पादन 68 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक लिया जा सकता है। यह किस्म पीला रतुआ, भूरा रतुआ व अन्य बीमारियों के प्रति रोगरोधी है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, लोह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है। एचएयू से इस साल इन किस्मों का बीज मिलने लगेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	05.02.25		

प्रदर्शनी हकृवि ने गांव रावलवास खुर्द में तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला आयोजित किया

कृषि मशीनरी का प्रयोग कर खेती में बढ़ायें उत्पादकता

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग तथा नवीकरणीय एवं जैव ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग तथा प्रोसेसिंग व फूड इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत चल रही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी, कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों में ऊर्जा परियोजना के तहत गांव रावलवास खुर्द के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा मुख्य अतिथि जबकि सेवानिवृत अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजना की कृषि उपकरण एवं मशीनरी परियोजना के 25 केन्द्रों एवं देश के अलग-अलग राज्यों में मेला आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि कृषि मशीनरी का प्रयोग कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ाने का एक प्रमुख साधन है। कृषि यंत्रीकरण का उपयोग करके किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

यंत्रीकरण खेती की कार्यशैली को और भी सुगम एवं तेज बनाता है, जिससे फसल उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी एवं मशीनरी प्रदर्शनी मेला-2025 में कृषि मशीनीकरण के अंतर्गत छोटी जोत वाले किसानों के लिए मशीनों व तकनीकों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें किसानों के लिए छोटे ट्रैक्टर-इंजन चालित जुताई तथा निराई-गुड़ाई यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के लिए उपयोगी मशीनें जैसे सुपर सीडर, मलचर व बेलर आदि यंत्रों को प्रदर्शित किया गया, साथ ही किसानों को इन उपरोक्त विषयों पर जानकारी देकर इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों से अनुरोध किया कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सह अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर) डॉ. विजया रानी ने सभी का स्वागत कर किसानों को खेती की तैयारी से लेकर फसल की कटाई के लिए उपलब्ध मशीनें, खेती में उपयोगी नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मेले में हरियाणा कला परिषद की ओर से विकास सातरोड व उनके साथी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। मेले में रावलवास खुर्द सहित समीपवर्ती गांवों के काफी संख्या में किसानों ने भाग लिया।